2025
Premium
Edition

IRDA IC38 Health Insurance Agent Exam Mock Test Demo Hindi

Financial Street

10 Years of Trust

IRDA

Financial Street
IRDA IC38 Health Insurance Agent Exam Mock Test Hindi

Why Financial Street

1. Get MCQ(Multiple Choice Question) in PDF
2. Delivery(PDF) With in 5 Min In Your Email Account
3. Easy to Study on Desktop/Mobile
4. Easy to Study Offline/Online
5. Clear Your Exam in Very First Attempt
6. Excellent Passing/Success Rate
7. Give Exam with High Confidence
8. Regularly Updated
9. Variety of Question & Answers
10. Join Free Demo

Testimonial

"I like the quality and format of the IC 38 Health Insurance mock test. It was comprehensive in the topics it touched upon, and the explanations allowed me to link theory to real-life situations. Practicing using this mock test made me feel more confident about the material, and it definitely improved my accuracy. It's a must-do for anyone trying to pass the IC 38 exam!"

Manish Jain (Pune)
Insurance Advisor

Secured & Verified BY

instamojo GoDaddy

Buy IRDA IC38 Health Insurance Agent Exam Mock Test Hindi

Get

Free Stock Market Analysis Course (3 Module + Bonus Videos)

प्रश्न 1: भारत के किस भाग में बाबिलोनियन व्यापारियों की तरह बॉटमेरी ऋणों जैसी प्रथा प्रचलित थी?

A- सूरत

B- भरूच

C- A और B दोनों

D- उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: C

व्याख्या: भरूच और सूरत में बाबिलोनियन व्यापारियों की तरह बॉटमेरी ऋण जैसी प्रथा प्रचलित थी।

प्रश्न 2: भारत में स्थापित की गई पहली भारतीय बीमा कंपनी कौन-सी थी?

A- बॉम्बे म्यूचुअल एश्योरेंस सोसाइटी लिमिटेड

B- ट्राइटन इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

C- ओरिएंटल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

D- नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

उत्तर: A

व्याख्या: बॉम्बे म्यूचुअल एश्योरेंस सोसाइटी लिमिटेड 1870 में मुंबई में स्थापित की गई पहली भारतीय बीमा कंपनी थी।

Financial Street

प्रश्न 3: बीमा के संदर्भ में 'पेरिल' (Peril) शब्द का क्या अर्थ है?

A- बीमा प्रीमियम

B- बीमित हानि राशि

C- जोखिम की संभावना

D- जोखिम घटना का कारण

उत्तर: D

व्याख्या: जोखिम घटना का कारण 'पेरिल' कहलाता है।

प्रश्न 4: बीमा में व्यक्तिगत योगदान को क्या कहा जाता है?

A- किश्त

B- प्रीमियम

C- पूलिंग

D- उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: B

व्याख्या: बीमा में बीमाकर्ता विभिन्न व्यक्तियों से व्यक्तिगत योगदान (प्रीमियम) एकत्र करता है जिससे एक कोष तैयार होता है।

Financial Street

प्रश्न 5: निम्नलिखित में से कौन प्रत्यक्ष और मापनीय होता है?

A- जोखिम का प्राथमिक बोझ

B- जोखिम का द्वितीयक बोझ

C- A और B दोनों

D- उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: A

व्याख्या: जोखिम का प्राथमिक बोझ प्रत्यक्ष और मापनीय होता है तथा बीमा द्वारा इसकी भरपाई आसानी से की जा सकती है।

प्रश्न 6: नुकसान की स्थिति से बचकर जोखिम को नियंत्रित करना क्या कहलाता है?

A- जोखिम समाप्ति

B- जोखिम से बचाव

C- जोखिम का प्रतिधारण

D- जोखिम में कमी

उत्तर: B

व्याख्या: नुकसान की स्थिति से बचकर जोखिम को नियंत्रित करना जोखिम से बचाव कहलाता है।

Financial Street

प्रश्न 7: निम्नलिखित कथन पर विचार करें और बताएं कि यह सत्य है या असत्य?

कथन: जोखिम वित्त पोषण या तो आत्म वित्तपोषण के माध्यम से जोखिम प्रतिधारण या किसी अन्य पक्ष को स्थानांतरित करके किया जा सकता है।

A- सत्य

B- असत्य

उत्तर: A

व्याख्या: जोखिम वित्त पोषण निम्नलिखित तरीकों से किया जा सकता है:

- आत्म वित्तपोषण द्वारा जोखिम प्रतिधारण
- किसी अन्य पक्ष को जोखिम का स्थानांतरण

प्रश्न 8: भारत में बीमा क्षेत्र में IGMS का पूर्ण रूप क्या है?

A- इंश्योरेंस ग्रीवांस मैनेजमेंट सिस्टम

B- इंटरनल ग्रीवांस मॉनिटरिंग सर्विस

C- इंटीग्रेटेड ग्रीवांस मैनेजमेंट सिस्टम

D- इंटरनल ग्रीवांस मैनेजमेंट सिस्टम

उत्तर: C

व्याख्या: IRDA ने उद्योग में शिकायत निवारण की निगरानी के लिए एकीकृत शिकायत प्रबंधन प्रणाली (IGMS) शुरू की है।

Financial Street

प्रश्न 9: विश्वास के तत्व कौन-कौन से हैं?

A- आकर्षण

B- उपस्थित होना

C- संचार

D- उपरोक्त सभी

उत्तर: D

व्याख्या: विश्वास के तत्व हैं - आकर्षण, उपस्थित होना, संचार।

प्रश्न 10: स्वास्थ्य के निर्धारक कौन से हैं?

A- जीवनशैली कारक

B- पर्यावरणीय कारक

C- आनुवांशिक कारक

D- उपरोक्त सभी

उत्तर: D

व्याख्या: स्वास्थ्य के निर्धारक हैं - जीवनशैली कारक, पर्यावरणीय कारक, आनुवांशिक कारक।

Financial Street

प्रश्न 11: ASHA का क्या अर्थ है?

A- मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता

B- लागू सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता

C- वैकल्पिक सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता

D- उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: A

व्याख्या: ASHA का अर्थ है मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता।

प्रश्न 12: निम्न में से कौन भारत में स्वास्थ्य सेवा की श्रेणी नहीं है?

A- प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा

B- द्वितीयक स्वास्थ्य सेवा

C- तृतीयक स्वास्थ्य सेवा

D- केंद्रीय स्वास्थ्य सेवा

उत्तर: D

व्याख्या: भारत में स्वास्थ्य सेवाएं तीन श्रेणियों में विभाजित हैं - प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक स्वास्थ्य सेवाएं।

प्रश्न 13: TPA का क्या अर्थ है?

A- थर्ड पार्टी एश्योरेंस

B- ट्रिपल पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर

C- थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर

D- उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: C

व्याख्या: TPA का अर्थ है थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर।

Financial Street

प्रश्न 14: क्षतिपूर्ति नीति के अंतर्गत दावे कैसे किए जा सकते हैं?

A- कैशलेस दावा

B- प्रतिपूर्ति दावा

C- A और B दोनों

D- उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: C

व्याख्या: क्षतिपूर्ति नीति के अंतर्गत दावे या तो कैशलेस हो सकते हैं या प्रतिपूर्ति के रूप में।

प्रश्न 15: निम्नलिखित में से IRDAI का उद्देश्य क्या है?

A- बीमा क्षेत्र में व्यवस्था बनाए रखना

B- बीमाधारकों के हितों की रक्षा

C- बीमा कंपनियों की दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना

D- उपरोक्त सभी

उत्तर: D

व्याख्या: IRDAI के उद्देश्य हैं: बीमा क्षेत्र में व्यवस्था बनाए रखना, बीमाधारकों के हितों की रक्षा करना और बीमाकर्ताओं की दीर्घकालिक वित्तीय स्थिति सुनिश्चित करना।

Financial Street

प्रश्न 16: अंडरराइटिंग की प्रक्रिया क्या है?

A- जोखिम चयन

B- जोखिम मूल्य निर्धारण

C- A और B दोनों

D- उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: C

व्याख्या: अंडरराइटिंग वह प्रक्रिया है जिसमें जोखिम का चयन और मूल्य निर्धारण किया जाता है।

प्रश्न 17: चिकित्सा बीमा उत्पाद के वापस लिए जाने से संबंधित निम्नलिखित कथन पर विचार करें और बताएं कि यह सत्य है या असत्य?

कथन: वापस लिया गया उत्पाद संभावित ग्राहकों को पेश किया जा सकता है।

A- सत्य

B- असत्य

उत्तर: B

व्याख्या: चिकित्सा बीमा उत्पाद के वापस लिए जाने की स्थिति में, उस उत्पाद को संभावित ग्राहकों को पेश नहीं किया जा सकता।

Financial Street

प्रश्न 18: अंडरराइटिंग का उद्देश्य क्या है?

A- प्रतिकूल चयन को रोकना

B- जोखिम को वर्गीकृत करना

C- A और B दोनों

D- उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: C

व्याख्या: अंडरराइटिंग के दो मुख्य उद्देश्य हैं:

- प्रतिकूल चयन को रोकना
- जोखिम को वर्गीकृत करना और उनके बीच न्यायसंगतता बनाए रखना

प्रश्न 19: चिकित्सा बीमा के मामले में, अंडरराइटिंग करते समय निम्न में से कौन-सा जोखिम वर्गीकरण नहीं है?

A- मानक जोखिम

B- पसंदीदा जोखिम

C- अस्वीकृत जोखिम

D- स्थायी जोखिम

उत्तर: D

व्याख्या: चिकित्सा बीमा में जोखिम वर्गीकरण इस प्रकार हैं: मानक जोखिम, पसंदीदा जोखिम, अस्वीकृत जोखिम, और उप-मानक जोखिम। "स्थायी जोखिम" कोई वर्ग नहीं है।

Financial Street

प्रश्न 20: निम्नलिखित में से कौन अलग है?

A- गंभीर बीमारी नीति

B- भयावह रोग कवर

C- ट्रॉमा केयर कवर

D- उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: D

व्याख्या: गंभीर बीमारी नीति को भयावह रोग कवर या ट्रॉमा केयर कवर भी कहा जाता है – ये सभी एक ही प्रकार के बीमा उत्पाद के नाम हैं।

प्रश्न 21: निम्नलिखित में से कौन स्वास्थ्य बीमा उत्पाद की श्रेणी है?

A- क्षतिपूर्ति कवर

B- निश्चित लाभ कवर

C- गंभीर बीमारी कवर

D- उपरोक्त सभी

उत्तर: D

व्याख्या: स्वास्थ्य बीमा उत्पादों को मुख्यतः तीन श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है: क्षतिपूर्ति कवर, निश्चित लाभ कवर और गंभीर बीमारी कवर।

प्रश्न 22: निम्नलिखित कथन पर विचार करें और बताएं कि यह सत्य है या असत्य?

कथन: यह बीमाकर्ता का कानूनी दायित्व है कि वह बीमित व्यक्ति को उसकी पॉलिसी समाप्त होने से पहले सूचित करे।

A- सत्य

B- असत्य

उत्तर: B

व्याख्या: यह बीमाकर्ता का कानूनी दायित्व नहीं है कि वह बीमित व्यक्ति को पॉलिसी की समाप्ति से पहले सूचित करे।

प्रश्न 23: निम्नलिखित कथन पर विचार करें और बताएं कि यह सत्य है या असत्य?

कथन: बीमा अधिनियम के अनुसार, प्रीमियम अग्रिम में नहीं लिया जाना चाहिए।

A- सत्य

B- असत्य

उत्तर: B

व्याख्या: बीमा अधिनियम के अनुसार, प्रीमियम को अग्रिम में जमा किया जाना चाहिए, तभी बीमा सुरक्षा शुरू होती है।

Financial Street

प्रश्न 24: प्रस्ताव की जांच कर उसे स्वीकार करने का निर्णय लेने की प्रक्रिया को क्या कहते हैं?

A- जोखिम विश्लेषण

B- जोखिम मूल्यांकन

C- अंडरराइटिंग

D- उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: C

व्याख्या: प्रस्ताव की जांच कर यह तय करने की प्रक्रिया कि बीमा स्वीकार किया जाए या नहीं, अंडरराइटिंग कहलाती है।

प्रश्न 25: स्वास्थ्य बीमा नीति में मानक घोषणा का प्रारूप किसने निर्धारित किया है?

A- SEBI

B- IRDAI

C- यह निर्धारित नहीं किया गया है

D- उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: B

व्याख्या: IRDAI ने स्वास्थ्य बीमा नीति में मानक घोषणा के प्रारूप को निर्धारित किया है।

Financial Street

OUR SUCCESS STORIES

कोविड-19 के बाद भारतीय निवेशक बढ़े

मल्टीबैगर स्टॉक बन रहे निवेशकों की पहली पसंद

पत्रिका एक्सपर्ट टॉक

ZOOM रिपोर्टर
patrika.com

विकास शर्मा, सीईओ, फाइनेंशियल स्ट्रीट

ग्वालियर. आप सभी ने राकेश झुनझुनवाला और वॉरेन बफेट का नाम सुना होगा, जिन्हें बिग बुल के नाम से भी जानते हैं। उन्होंने मल्टीबैगर स्टॉक में अपार सफलता पाई। कोविड-19 के बाद भारतीय निवेशक तेजी से बाजार में बढ़ रहे हैं, जिनका रुझान अब डे ट्रेडिंग से हटकर मल्टीबैगर स्टॉक की तरफ जा रहा है। मल्टीबैगर स्टॉक मतलब जो आपको लम्बी अवधि में बेहतर रिटर्न दे। उदाहरण के तौर पर किसी ने [redacted] में सन्‌ 1980 में 10 हजार का निवेश किया होता तो 2017 में 452 करोड़ रुपए अर्न किए होते। इसी प्रकार किसी ने [redacted] में 2006 में 1 लाख का निवेश किया होता तो आज साढ़े 3 करोड़ अर्न किए होते। मल्टीबैगर स्टॉक में सफलता पाने के लिए निवेशकों को कुछ बातों का ध्यान रखना भी जरूरी है।

अपने निवेश का 10 प्रतिशत शिक्षा में खर्च करें

एनएसई के अनुसार 80 से 90 प्रतिशत लोग ऑप्शन ट्रेडिंग व डे ट्रेडिंग में नुकसान उठाते हैं। इसलिए लम्बी अवधि के लिए अच्छे स्टॉक पर निवेश करें। फर्जी यूट्यूब चैनल व टेलीग्राम चैनलों से बचें। अपने निवेश का 10 प्रतिशत शिक्षा में खर्च करें।

अच्छी कैश फ्लो मेंटेन करने वाली कंपनी को चुनें

निवेशकों को स्टॉक का चुनाव करने से पहले कंपनी का बिजनेस मॉडल समझना चाहिए। वहीं फंडामेंटली अच्छी रिवेन्यू वाली कंपनी जिनका नेट प्रॉफिट और पीई/ईपीएस स्ट्रॉन्ग हो, उसका चुनाव करें। कोशिश करें कि कंपनी कर्ज मुक्त हो और अच्छी कैश फ्लो मेंटेन करती हो। अगर डिविडेंड देती हो तो बहुत ही अच्छा है। टेक्निकल एनालिसिस का इस्तेमाल सही समय पर एंट्री के लिए करें। अच्छी रिस्क रेवार्ड वाली कंपनी खरीदें और धैर्य बनाए रखें।

इन्वेस्टर-ट्रेडर बनकर करें स्टॉक मार्केट में फ्यूचर ब्राइट, बिजनेस के साथ जॉब के भी विकल्प

शेयर बाजार का क्रेज लगातार बढ़ रहा है। ट्रेडिंग इंडस्ट्री के विस्तार के साथ इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। आज युवा से लेकर सीनियर सिटीजन तक स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग में इंट्रेस्ट दिखा रहे हैं। सफल ट्रेडर व इन्वेस्टर बनने के लिए किसी प्रोफेशनल डिग्री की जरूरत नहीं होती, लेकिन फाइनेंशियल स्टेटस, फंडामेंटल एनालिसिस और टेक्निकल एनालिसिस का बेसिक नॉलेज होना चाहिए। यदि आपके पास मैथ्स, फाइनांस, अकाउंटिंग, इकोनॉमिक्स या इंडस्ट्री में डिग्री है तो बहुत अच्छा रहेगा। आज काफी संख्या में लोग इन्वेस्टर और ट्रेडर बन अपना कैरियर संवार रहे हैं।

निवेश से पहले अच्छे से होमवर्क कर लें इन्वेस्टर

आप शेयर बाजार में निवेश करते हैं तो वहां से अच्छा रिटर्न पाना आसान नहीं है। अगर आपका इन्वेस्टमेंट सही जगह होता है तो मल्टीबैगर रिटर्न हासिल किया जा सकता है।

अगर इन्वेस्टमेंट का फैसला जल्दबाजी में लिया जाता है तो कई बार आपको पॉजिटिव रिटर्न के लिए लंबे समय के लिए इंतजार करना होता है। इन्वेस्टमेंट एक्सपर्ट्स हमेशा से वैल्यु इन्वेस्टिंग की एडवाइज देते हैं। उनकी सलाह होती है कि निवेशकों को निवेश से पहले अपना होमवर्क अच्छे से करना चाहिए।

विकास शर्मा, फाइनेंशियल स्ट्रीट के फाउंडर

रिसर्च पर फोकस करें

एकेडमिक क्वालिफिकेशन के साथ अच्छी एनालिटिकल स्किल, स्ट्रॉन्ग माइंड और रिसर्च स्किल्स होना चाहिए। स्टॉक ट्रेनिंग प्रैक्टिस रूल्स और प्रोसेस की जानकारी के साथ अलग-अलग सेक्टर और इंडस्ट्री के बारे में ज्ञान होना जरूरी है। मार्केट के उतार-चढ़ाव और उससे होने वाले फर्क के बारे में पता होना जरूरी है।

संजीव राठौर, सीनियर वेल्थ रिलेशनशिप मैनेजर

एक नजर में

- प्रोफेशनल ट्रेडर को फाइनेंस की मूल बातें समझने की जरूरत है। कॉलेज की डिग्री आजकल एक प्रीकंडीशन है।
- पैरेंट्स या गार्जियन द्वारा संबंधित दस्तावेज जमा करने के बाद नाबालिग के नाम पर भी अकाउंट खोला जा सकता है।
- इन्वेस्टमेंट एडवाइजरी या किसी भी कंपनी में प्रोफेशनल के रूप में काम करने के लिए सर्टिफाइड होना चाहिए।

एनालिटिकल स्किल और रिसर्च जरूरी

इस फील्ड में अच्छी एनालिटिकल स्किल, स्ट्रॉन्ग माइंड और रिसर्च स्किल्स जरूरी है। इसके अलावा स्टॉक ट्रेनिंग प्रैक्टिस रूल्स और प्रोसेस की जानकारी होने के साथ अलग-अलग सेक्टर और इंडस्ट्री की जानकारी भी होनी चाहिए। मार्केट में आने वाले नए प्रोडक्ट्स, उनके उतार-चढ़ाव से जुड़ी लेटेस्ट जानकारी आवश्यक है। प्रेशर हैंडल करना आना चाहिए। इस फील्ड में एक्सपर्ट बनने के लिए अच्छी कम्प्यूटर स्किल्स रिसर्च एप्टीट्यूड और फाइनेंस इंडस्ट्री की जानकारी सक्सेस दिला सकती है।

यहां भी मौके

- स्टॉक मार्केट में आप कई पोस्ट पर काम कर सकते हैं। इनमें स्टॉक ब्रोकर,
- फाइनांशियल एडवाइजर, इन्वेस्टमेंट एडवाइजर, पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विस,
- रिसर्च एनालिस्ट, ऑनलाइन स्टॉक ट्रेडिंग, फाइनांशियल एनालिस्ट, इक्विटी एनालिस्ट, मार्केट रिसर्चर, एमएफ डिस्ट्रिब्यूटर, एडवाइजर, इंश्योरेंस डिस्ट्रीब्यूटर एडवाइजर।

म्यूचुअल फंड एजेंट बनें, दूसरों को एडवाइज देने के साथ खुद की भी अच्छी अर्निंग करें

समय के साथ म्यूचुअल फंड इन्वेस्टर्स का सबसे पसंदीदा जरिया बनता जा रहा है। हालांकि, इसमें शामिल होने की प्रक्रिया सामान्य लोगों के लिए कठिन है। लोग अभी भी निवेश करने से डरते हैं। इसीलिए उन्हें प्रोफेशनल एक्सपर्ट की डिमांड रहती है। उनके लिए म्यूचुअल फंड एजेंट से परामर्श करना अब जरूरत बनता जा रहा है। काफी संख्या में लोग इन एजेंट को हायर कर रहे हैं। यह डिपेंडेंसी आने वाले समय में और बढ़ेगी। यानि आगे युवाओं के लिए म्यूचुअल फंड एजेंट की मांग रहेगी। युवा इसमें अपना कैरियर बना सकते हैं।

विदेशी खिलाड़ियों के प्रवेश से बढ़ा रोजगार का दायरा

विदेशी खिलाड़ियों के प्रवेश से इस क्षेत्र में रोजगार का दायरा बढ़ा है। एक म्यूचुअल फंड एजेंट जिसके पास इक्विटी और डेट मार्केट की अच्छी जानकारी है, उसकी मांग बहुत ज्यादा है। म्यूचुअल फंड उद्योग किसी भी पृष्ठभूमि से आने वाले व्यक्तियों के लिए कैरियर की संभावनाओं की एक विस्तृत और विविध रेंज प्रदान करता है। इनमें से कुछ बिक्री, विपणन, उत्पाद विकास, निवेश, मानव संसाधन, जोखिम और प्रबंधन स्तरों के अनुपालन हैं।

अतिरिक्त इनकम का विकल्प हो सकता है आपके पास

यदि आप म्यूचुअल फंड एजेंट बनते हैं तो आपके पास एक अतिरिक्त इनकम का विकल्प होगा। फुल टाइम या पार्ट टाइम भी वर्क कर सकते हैं। आप लोगों को जरूरत के अनुसार म्यूचुअल फंड बेचने और उससे कमीशन कमाने का एक बिजनेस शुरू कर सकते हैं। आप ऑनलाइन वेबसाइट व ब्लॉग बनाकर घर बैठे ही काम कर सकते हैं।

तेजी के साथ लोकप्रिय हो रहा म्यूचुअल फंड

देश में म्यूचुअल फंड में निवेश बहुत तेजी से लोगों के बीच लोकप्रिय हो रहा है। ऐसे में अगर आप एक म्यूचुअल फंड एजेंट बनते हैं और पूरी लगन और मेहनत से लोगों को सही म्यूचुअल फंड का चुनाव करने में उनकी मदद करते हैं तो यह आपके लिए बहुत अच्छा कैरियर साबित हो सकता है। म्यूचुअल फंड एजेंट बनने के लिए आपको एनआइएसएम से वी-ए सर्टिफिकेशन एग्जाम क्वालिफाई करना होगा।

विकास शर्मा, फाउंडर, फाइनेंशियल स्ट्रीट

एजेंट बनने में पढ़ाई की कोई बाध्यता नहीं

म्यूचुअल फंड एजेंट बनने के लिए पढ़ाई की कोई बाध्यता नहीं है। यदि आप क्लास 10वीं तक भी पढ़े हैं तो एनआइएसएम के लिए रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। आपके पास मुख्य डॉक्यूमेंट्स में पैन कार्ड और आधार कार्ड होना अनिवार्य है।

ये होता है वर्क

- निवेशकों को बाजार में उपलब्ध विभिन्न योजनाओं से अवगत कराना।
- अन्य प्रतिस्पर्धी उत्पादों की तुलना में निवेश के लिए म्यूचुअल फंड योजनाओं की प्रभावशीलता को स्पष्ट करना।
- निवेशकों को म्यूचुअल फंड खरीदने, स्विचिंग, रिडीमेशन से संबंधित लेनदेन करने में मदद करना।
- निवेश के प्रदर्शन पर अक्सर निवेशकों का मार्गदर्शन करना।

TIMES OF INDIA

Vikas Sharma
Founder
Financial Street

Youth in India Embrace Stock Market Investments

The financial world is changing so fast and everyone wants to be on the profit side. That's why individual investors and students regularly take investor awareness programmes. Recently, IAP was conducted at a private management college in Gwalior where individual investors and management students learn about the post-effect of covid -19 on jobs economy and investment.

As we all know, The Covid-19 pandemic was the worst crisis since World War-2. Financial, social, and other consequences of COVID-19 will remain for many years. But as we know, everything has its pros and cons. In Indian History, for the first time ever, Demat Account across 10 Core. The Coronavirus badly hit the stock market all over the world, but the Indian economy witnessed a new investment trend. According to the data. Before Covid-19 in March 2020, there were 4 crore demat accounts and only in 2-3 years 6 crores of new accounts were reported.

As a country with the largest young population, expecting a booming economy, Indian young investors show an unprecedented degree of financial prudence. Most young investors directly invest in the market, without having proper knowledge.

You must have heard of Rakesh Jhunjhunwala and Warren Baffett , we know them as a big bull. They have made billions of dollars in the financial market. They used time as money and converted their money into wealth.

Benjamin Graham, known as the 'Father of Investment,' famously stated, "Investing in knowledge yields the most profitable interest."

According to NSE, 80 to 90 percent of investors lose their hard-earned money in option and day trading. Beware of fraud on YouTube and telegram channels. Atleast invest 10% in education of your investment.

HOW TO SELECT A MULTI-BAGGER STOCK?

Before selecting a multi-bagger stock, investors must investigate the business.

HERE ARE SOME KEY FACTORS FOR SELECTING MULTI-BAGGER STOCKS:

- **Strong Management:** A business cannot succeed without strong management. Look at multiple aspects, like diversion of funds, pledging of shares, board independence, discipline, and obligation.
- **Promoter Holding:** Find a stock that has good promoter holding which shows promoter confidence in their business.
- **Good Earning:** An investor earns money when the company makes profits. Keep your eyes on the PE ratio and EPS.

Another crucial element lies in the marginal allocation of funds. Utilising technical analysis for enhanced timing and upholding a robust risk management strategy are imperative. For Instance, a group of acquaintances invested 1,000 rupees in [redacted] in 1980, which burgeoned to 1894 crores by 2021.

तीन साल में ढाई गुना बढ़े डीमैट एकाउंट

पहले पढ़ें फिर निवेश की सोचें, वरना हो सकता है नुकसान

एक्सपर्ट स्टोरी

विकास शर्मा
फाउंडर
फाइनेंशियल स्ट्रीट

आपने राकेश झुनझुनवाला और वॉरेन बफेट का नाम तो सुना ही होगा। इन्हें हम बिग बुल के नाम से भी जानते हैं। उन्होंने वित्तीय बाजार में अरबों डॉलर की संपत्ति बनाई है। उन्होंने समय का उपयोग धन के रूप में किया और अपने धन को संपत्ति में बदल दिया। पिछले तीन वर्षों से युवा निवेशकों को शेयर बाजार में रुचि लेते देखा है। कोरोना ने पूरी दुनिया के शेयर बाजार को बुरी तरह प्रभावित किया, लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था में निवेश का नया रुझान देखने को मिला। आंकड़ों के मुताबिकमार्च 2020 में 4 करोड़ डीमैट खाते थे और वहीं वर्तमान में 10 करोड़ से अधिक डीमैट खाते खुल चुके हैं।

मल्टी बैगर स्टॉक कैसे चुनें

मजबूत प्रबंधन- कोई व्यवसाय मजबूत प्रबंधन के बिना सफल नहीं हो सकता। कई पहलुओं फंड का डायवर्जन, शेयरों को गिरवी रखना, बोर्ड की स्वतंत्रता, अनुशासन व दायित्व पर गौर करें।

प्रमोटर होल्डिंग- ऐसा स्टॉक ढूंढें, जिसमें अच्छी प्रमोटर होल्डिंग हो जो प्रमोटर को उनके व्यवसाय में विश्वास दिखाता हो।

अच्छी कमाई- एक निवेशक तब पैसा कमाता है, जब कंपनी मुनाफा कमाती है। पीई अनुपात और ईपीएस पर अपनी नजर रखें।

निवेश का 10 प्रतिशत शिक्षा में खर्च करें : एनएसई के मुताबिक 80 से 90 फीसदी निवेशक ऑप्शन और डे ट्रेडिंग में अपनी मेहनत की कमाई गंवा देते हैं। यूट्यूब और टेलीग्राम चैनलों पर धोखाधड़ी से सावधान रहें। अपने निवेश का कम से कम 10 प्रतिशत शिक्षा में निवेश करें।

बढ़ती अर्थव्यवस्था के युवा दिखा रहे प्रतिभा

सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश के रूप में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की उम्मीद करते हुए भारतीय युवा निवेशक अपनी प्रतिभा दिखाते हैं। अधिकांश निवेशक उचित जानकारी के बिना सीधे बाजार में निवेश करते हैं, जो कि गलत है। निवेश से पहले अध्ययन बहुत जरूरी है।

शेयर बाजार में जल्दबाजी से बचें

विकास शर्मा

निवेश के क्षेत्र में धैर्य सिर्फ एक गुण नहीं बल्कि सफलता की कुंजी भी है। शेयर बाजार में जल्दबाजी से बचना आपके वित्तीय परिणामों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है। शेयर बाजार में जल्दबाजी में लिए गए निर्णय अक्सर त्वरित लाभ की इच्छा से प्रेरित होते हैं। निवेशक ऐसे शेयरों का पीछा करने के लिए प्रेरित हो सकते है, जबकि इससे अल्पकालिक लाभ मिल सकता है। आप शेयर बाजार में फायदा ले सकते है, लेकिन इसके लिए आपको दीर्घकालिक निवेश रणनीति का पालन करना होगा। अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाकर, जोखिमों का प्रबंधन करके आप अपनी वित्तीय स्थिरता को बढ़ा सकते है और समय के साथ अपने निवेश लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। धन निर्माण में सबसे शक्तिशाली शक्तियों में से एक चक्रवृद्धि ब्याज है। आय को पुनर्निवेशित करके और समय के साथ उन्हें अधिक आय उत्पन्न करने की अनुमति देकर, निवेशक अपनी संपत्ति को तेजी से बढ़ा सकते है। इस दृष्टिकोण के लिए धैर्य और लंबे समय तक निवेशित रहने की प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है। सफल निवेशक अक्सर एक स्पष्ट वित्तीय योजना के साथ शुरुआत करते है, जो उनके लक्ष्यों, जोखिम, सहनशीलता और निवेश क्षितिज को रेखांकित करती है। प्राप्त करने योग्य उद्देश्य निर्धारित करके और समय–समय पर अपनी प्रगति की समीक्षा करके, निवेशक निवेश के दीर्घकालिक लाभों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। बाजार के रुझानों, आर्थिक संकेतकों और कंपनी की बुनियादी बातों के बारे में अच्छी तरह से जानकारी रखना, निवेश के बारे में सही निर्णय लेने के लिए जरूरी है।

शेयर मार्केट कई क्षेत्रों में प्रोफेशनल्स की जरूरत

बाजार की नब्ज टटोलने का हुनर दिलाएगा कामयाबी

ZOOM रिपोर्टर
patrika.com

भोपाल. कोविड के दौर में जहां रोजगार देने वाले कई सेक्टर की हालत खराब चल रही है, वहीं शेयर मार्केट में उनके मुकाबले निवेश करने वालों की स्थिति अच्छी रही है। इसे देखते हुए भविष्य में इस सेक्टर में शेयर ब्रोकर सहित मार्केट एनालिस्ट और कई जानकार लोगों की जरूरत महसूस की जा रही है। इस क्षेत्र में एक्सपर्ट के लिए ढेरों संभावनाएं हैं। कई संस्थानों में इसके अलग-अलग कोर्स हैं।

शेयर मार्केट में बीते कुछ माह के प्रदर्शन के मद्देनजर युवाओं का रुझान बढ़ा है। एक निजी कंपनी में स्टॉक ब्रोकिंग का काम देख रहे संजीव कुमार ने बताया, अभी कई निवेश कंपनियां और वित्तीय सलाहकार कंपनियां मैदान में हैं। इसके चलते यहां जॉब के कई मौके हैं। इस क्षेत्र में प्रोफेस को देखते हुए एमबीए, सीए, आईसीडब्ल्यू इस ओर रुख कर रहे है। स्टॉक एक्सचेंज से मान्यता प्राप्त सर्टिफिकेट होल्डर्स अपना भविष्य संवार रहे हैं। शेयर बाजार में रोजगार की बात करें तो मुख्य रूप से इकोनॉमिस्ट, अकाउंटेंट, फाइनेंशियल एनालिस्ट, इन्वेस्ट एनालिस्ट, कैपिटल मार्केट एनालिस्ट के रूप में जुड़ा जा सकता है।

कोर्स और योग्यता

शेयर बाजार से जुड़ने के लिए चल रहे विभिन्न पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के लिए अभ्यर्थी का स्नातक होना अनिवार्य है। कुछ संस्थानों में प्रवेश के लिए 50 प्रतिशत अंक से स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए एक या दो वर्षीय डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज द्वारा संचालित [illegible]

प्रमुख संस्थान

- मुंबई स्टॉक एक्सचेंज ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, मुंबई
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- इंस्टीट्यूट ऑफ कैपिटल मार्केट डेवलपमेंट, नई दिल्ली
- यूटीआइ इंस्टीट्यूट ऑफ कैपिटल मार्केट, नवी मुंबई
- जेबीवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, नासिक
- पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
- आइसीएफएआइ, हैदराबाद

शेयर मार्केट के फील्ड में कई हिस्से

शेयर मार्केट में कई फील्ड है। हर एक में बेहतर कैरियर बनाया जा सकता है। बाजार का विश्लेषण करने के साथ ब्रोकिंग और इसमें कई हिस्से हैं। यहां प्रोफेशनल्स की जरूरत है। शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करने वालों के लिए सलाहकार के रूप में भी काम किया है। एक्सपर्ट के रूप में काम के लिए इस क्षेत्र में काफी स्कोप है।

आदित्य मनया, मैंबर बीएसई, एनएसई [illegible]

विश्लेषण करने वालों की भी जरूरत

शेयर बाजार में कई तरह के कैरियर के अवसर मौजूद है। इकोनॉमिस्ट, अकाउंटेंट, फाइनेंशियल एनालिस्ट, इन्वेस्ट एनालिस्ट, कैपिटल मार्केट एनालिस्ट, फ्यूचर प्लानर्स, सिक्योरिटी एनालिस्ट, इक्विटी एनालिस्ट। इस सेक्टर में बाजार के उतार-चढ़ाव पर नजर रखने के साथ उनका विश्लेषण करने वालों की जरूरत है, ताकि परिणाम बेहतर आ सके।

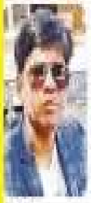

विकास शर्मा, ग्वालियर

समझदारी से करें रुपये का प्रबंधन, निवेश जरूरी

आज के डिजिटल युग में वित्तीय साक्षरता महत्वपूर्ण है, खासकर भारत में जहां लाखों लोग वित्तीय मामलों से अनजान है। इसमें समझदारी से पैसे का प्रबंधन करना, बचत, निवेश, ऋण, बीमा, पेंशन योजना और अन्य वित्तीय उत्पादों के बारे में जानकारी प्रदान करना शामिल है। भारत में समृद्धि और विकास की दिशा में आगे बढ़ने के लिए, सरकार, वित्तीय संस्थानों और अन्य संगठनों को वित्तीय साक्षरता बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए। वित्तीय साक्षरता के लाभों में वित्तीय स्वतंत्रता, उचित ऋण प्रबंधन, बचत और निवेश, वित्तीय धोखाधड़ी से सुरक्षा और जन धन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा सरकारी योजनाओं के लाभ शामिल है। हाल ही में सेबी ने वित्तीय साक्षरता के लिए एनआईएसएम के साथ एक मुफ्त प्रमाणन कार्यक्रम शुरू किया है

विकाश शर्मा,

पत्रिका ZOOM
ग्वालियर, मंगलवार, 17.05.2022
जूम | पत्रिका स

कॅरियर | कोरोना के बाद बढ़ी डिमांड, अब 30 साल के युवा भी करा रहे इंश्योरेंस

सवा सौ करोड़ के देश में इंश्योरेंस एजेंट का भविष्य सुरक्षित, सैलरी के साथ कई फायदे

एक नजर में

- इंश्योरेंस इंडस्ट्री का विकास काफी तेजी से हो रहा है। पीपल स्किल्स और सेलिंग स्किल्स वाले लोगों के लिए कार्य और अवसर समय के साथ बढ़ते जा रहे हैं।
- आने वाले 10 वर्षों में इंडस्ट्री का विकास अपने चरम पर होगा। युवाओं के लिए इंश्योरेंस सेक्टर भावी कॅरियर के तौर पर देखा जा रहा है।
- पुणे में एनआई जैसे कई प्रोफेशनल इंस्टीट्यूट्स हैं, जो स्टूडेंट्स को इंश्योरेंस में बेहतरीन कोर्सेज ऑफर करते हैं।
- बिरला स्कूल्स और आईसीएफएआई जैसे इंस्टीट्यूट्स स्टूडेंट्स के लिए रेगुलर और डिस्टेंस एजुकेशन दोनों में ही विभिन्न कोर्सेज ऑफर करते हैं।

युवाओं के लिए ऐसा कॅरियर ऑप्शन, जो खत्म नहीं होगा

सवा सौ करोड़ के देश में इंश्योरेंस एजेंट का भविष्य सुरक्षित है। कोरोना के बाद से इंश्योरेंस सेक्टर की डिमांड बढ़ी है। अब 30 साल तक के युवा भी हेल्थ पॉलिसी ले रहे हैं। लाइफ

इंश्योरेंस, हेल्थ इंश्योरेंस और जनरल इंश्योरेंस के लिए आइसी-30 एग्जाम देना होता है। अलग-अलग कंपनी अपने हिसाब से सैलरी, इंसेटिव और कमीशन देती है। युवाओं के लिए यह ऐसा कॅरियर ऑप्शन है, जो कभी खत्म होने वाला नहीं है। यह उनके लिए बेहतर है, जिन्होंने कोई प्रोफेशनल डिग्री नहीं की है। बस आपकी कम्युनिकेशन स्किल अच्छी होनी चाहिए और सामाजिक दायरा बड़ा होना चाहिए।

विकास शर्मा, फाइनेंशियल स्ट्रीट, ग्वालियर

इस समय देश में बूम पर है इंश्योरेंस सेक्टर

इंश्योरेंस का सेक्टर इस समय बूम पर है। कोरोना काल के बाद लोगों को इसकी अहमियत समझ आ गई है। सबसे ज्यादा

यूथ जो फ्री होकर अच्छी अर्निंग करना चाहता है, इस क्षेत्र में उसके लिए बहुत संभावनाएं हैं। एक एडवाइजर के तौर पर शुरुआत करके मैनेजर से लेकर अन्य पोस्ट तक पहुंच सकते हैं। इस फील्ड में जितना काम करेंगे उतना पैसा है। सपनों को पूरा करने के लिए एग्जाम क्लियर करना होता है।

प्रियंका जायसवाल, सीनियर रिक्रूटमेंट डवलपमेंट मैनेजर, जबलपुर

कोरोना के बाद से काफी अवेयर हुए हैं लोग

मैं पिछले 25 साल से इंश्योरेंस एजेंट हूं और इसी से मेरा घर भी चलता है और मैंने अपने बच्चों को इसी सेक्टर की अर्निंग से पढ़ा-लिखाकर काबिल भी बना दिया है। मैं समझता हूं इंश्योरंस सेक्टर एक बहुत ही अच्छा कॅरियर विकल्प हैं जो कहीं न कहीं आपको लोगों से जोड़ता भी हैं और अर्निंग के लिहाज से भी काफी बेहतर है। केवल इस सेक्टर में पार्ट टाइम जॉब न करते हुए सभी को फुल टाइम जॉब करना चाहिए। इंश्योरेंस एजेंट बनकर आप लोगों को कहीं न कहीं हेल्थ और उनके परिवार के प्रति चिंता करने के लिए सजग भी करते हैं। कोरोना के बाद से लोगों में इंश्योरेंस को लेकर काफी जागरुकता भी आ गई है। ज्यादा से ज्यादा लोग अब बीमा कराने लगे हैं। पहले लोग इंश्योरेंस पर ज्यादा भरोसा नहीं करते थे लेकिन अब अवेयर हो रहे हैं।

रविन्द्र रघुवंशी, एलआइसी एजेंट (फाइनेंशियल एडवाइजर), इंदौर

---

p- day special | नेशनल इंश्योरेंस अवेयरनेस डे

कोरोना के बाद 27% तक बढ़े पॉलिसी धारक, इनमें युवा भी

इंश्योरेंस आपको भविष्य के लिए सिक्योर करता है। अधिकतर लोग लाइफ इंश्योरेंस और हेल्थ इंश्योरेंस को तो वेटेज देते हैं, लेकिन जनरल इंश्योरेंस को पीछे छोड़ देते हैं, जबकि यह भी बहुत जरूरी है। इंश्योरेंस कंपनियों की माने तो कोरोना के बाद से लगभग 27 प्रतिशत पॉलिसी धारक बढ़े हैं और सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें 30 साल उम्र के युवा भी शामिल हुए हैं। इंश्योरेंस अधिकारियों के अनुसार आम तौर पर लोग 40 वर्ष की आयु के बाद हेल्थ पॉलिसी लेते थे, जिसमें अब अवेयरनेस आई है।

कम उम्र के युवा दिखा रहे पॉलिसी में इंट्रेस्ट

फाइनेंशियल स्ट्रीट के फाउंडर विकास शर्मा ने बताया कोरोना के

बाद से इंश्योरेंस सेक्टर की डिमांड बढ़ी है। अब 30 साल तक के युवा भी हेल्थ पॉलिसी ले रहे हैं। हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस की तरह जनरल इंश्योरेंस भी बहुत जरूरी है, जो हम इंडियंस नहीं लेते। जनरल इंश्योरेंस कराने वाले मामूली लोग हैं। जबकि यह बीमा हमारी रोज की समस्याओं का सॉल्युशन है। लोग जब गाड़ी खरीदते हैं तब एजेंसी ही बीमा कराकर देती है। इसके बाद उसे रिनुअल कराने वाले लोगों का परसेंटेज काफी कम है।

भविष्य के लिए प्री प्लान करें इंश्योरेंस

इंश्योरेंस सेल्स ट्रेनर संजय धूपर ने बताया दुनिया में जरूरत पड़ने पर

हर चीज मिल सकती है, लेकिन इंश्योरेंस नहीं। इसे लेने के लिए प्री प्लान करना होगा। इंश्योरेंस पॉलिसी हर व्यक्ति को लेनी चाहिए। क्योंकि इससे परिवार का भविष्य सुरक्षित रहता है। हालांकि कोविड के कारण लोगों ने इसकी इम्पॉर्टेंस को समझा और बेझिझक पॉलिसी ली। पिछले 50 साल में लोगों का इंश्योरेंस का इतना झुकाव नहीं दिखा, जितना अभी हुआ है। लोगों ने टर्म प्लान और हेल्थ पॉलिसी को सबसे ज्यादा प्रिफर किया।

About Us

Financial Street is a well-recognized name in the financial market education. We are specializes in training investors and providing high quality training to investors and traders across the country. Our vision is to be the most sought after learning provider in the areas of finance and leadership learning.

Financial Street is a group of professionals; our educational program is anchored around that philosophy. Our program is guided by our vision and mission.

We Offer Mock Test Series

NISM Certification

NSE NATIONAL STOCK EXCHANGE NCFM Certification

irdai IRDA Insurance Regulatory and Development Authority

Contact Us

Financial Street

136, Mayur Nagar, Thatipur, Gwalior 474011(M.P.)

Email: contact.fstreet@gmail.com

Web: https://www.financialstreet.in/

Call: (91)-6264537290

About the Author

This Mock Test is developed by Mr. Vikas Sharma (Technical Analyst & Having more than 15 years' Experience in Money Market) in coordination with the Team of Financial Street. Mock Test is reviewed by Dr. Uma (Professor PHD in Economics).

"THANK YOU"